The present grades of teachers have become redundant. Existing housing facilities for them are extremely inadequate. Available research facilities do not permit them to meet the challenge of 'expansion of knowledge' and the absence of meaningful promotional avenues has meant stagnation for most of the teachers.

Therefore, some steps should be taken by the Government, such as:

1. Immediate revision of grades,
2. Increase in house rent allowance to 30 per cent, 70 months' salary by way of loans for house construction, provision for staff quarters, teachers' hostels and revolving fund for housing.
3. Increase in financial allocation to higher education with a view to facilitate improvement in academic facilities and expansion in higher education.
4. Pending running grade,a scheme of meaningful promotional avenues based on seniority-cum-merit for all categories of teachers.
5. Liberal leave rules,
6. Democratisation of university administration with a view to give effective representation to teachers in decision making bodies,
7. Satutory security of service,
8. Improvement in medical facilities pending C.G.H.S.,

Since the higher education is the base for scientific and tecnological advancement of the country, Government should take special initiative to boost-up working conditions of teachers.

(v) NEED FOR BETTER P. & T. SERVICES IN BURDWAN DISTRICT OF WEST BENGAL.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Durgapur): In Burdwan of West Bengal, it seems that the P. & T. Department failed in every respect. Most of the Post Boxes in the district are outdated and broken. Due to delay in delivery people of this district are not getting Registered letters, parcels, money orders, newspapers, letters etc., in time. Two times delivery has been stopped. Number of times people of this district drew the attention of the P. & T. authorities towards this negligence but without avail.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: (Diamond Harbour): This is Mr. Chairman's former constituency.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: Under the circumstances, I urge upon the Government to replace the old Post Boxes and to ensure that the hardship of the people of this district will be removed.

(vi) REPORTED DEMOTION OF "SAMADHI" OF SHRI CHANDRA SHEKKAR AZAD IN ALLAHABAD.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : शहीदे आजम चन्द्रशेखर आजाद ने जिस वीरता के साथ अंग्रेजी साम्राज्य की गोलियों का मुकाबला करते हुए वीरगति पाई थी उसे भारतीय जनता कदापि नहीं भूल सीसक । उनके नाममात्र से अंग्रेज थर-थर कांपते थे । उन्होंने सरदार भगत सिंह के साथ समाजवादी समाज बनाने का नारा दिया था । उन लोगों ने इस विचारधारा के प्रचार के लिए हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी का गठन भी किया था, जिसके शहीद चन्द्रशेखर आजाद सेनापति थे ।

27 फरवरी 1931 को उनकी शहादत के बाद इलाहाबाद में गंगा नदी के किनारे रसूलाबाद घाट पर उनकी पवित्र समाधि बनाई गई जिस पर प्रत्येक वर्ष हजारों नागरिक अपनी श्रद्धा के फूल चढ़ा कर उस महामानव की वीरता और उत्कट देशभक्ति का स्मरण किया करते तथा देश में सच्चे समाजवाद की स्थापना की शपथ लेते हैं ।

[श्री रामावतार शास्त्री]

क्षोभ की बात है कि गत 10 मार्च को इलाहाबाद महापालिका के एक इंजीनियर ने अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की उक्त समाधि को गिरवा दिया।

स्मरणीय है कि गत 27 फरवरी को शहीद आजाद के बलिदान की अर्द्ध शताब्दी समारोह के सिलसिले में देश के कोने-कोने से आए हजारों स्वतन्त्रता सेनानियों ने उस पवित्र समाधि पर माल्यार्पण किया था। उक्त समारोह में राज्य के मुख्य मंत्री व अनेक अन्य मंत्रियों के अतिरिक्त इलाहाबाद के अनेकों उच्चाधिकारी भी उपस्थित थे। अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी संगठन के अध्यक्ष पृथ्वी सिंह आजाद के साथ बहुतेरे दूसरे सेनानी नेता भी समारोह में भाग ले रहे थे।

1975 मे राज्य के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्री सालिगग्राम जायसवाल ने उक्त समाधि के पुनर्निर्माण समारोह का उद्घाटन किया था और उसे एक अविस्मरणीय स्मारक के रूप मे विकसित करने की योजना बनाई गई थी। परन्तु उस योजना को क्रियान्वित करने के बजाय उसे निर्ममता के साथ ढहवा दिया गया। सरकार को इस इंजीनियर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई तो करनी ही चाहिए, साथ ही उक्त समाधि को विकसित करने की योजना को यथाशीघ्र पूरा भी करना चाहिए।

साथ ही सरकार से मेरा यह भी अनुरोध होगा कि शहीद चन्द्रशेखर आजाद की स्मृति में शीघ्र डाक टिकट जारी किए जाएं।

(vii) SOIL EROSION IN THE CATCHMENT AREA OF RIVER GANGA IN CERTAIN DISTRICTS OF BIHAR

श्रीमती कृष्णा साही (बेगूसराय) : बहार के बेगूसराय मुंगेर जिलों में गंगा के कटाव से पांच लाख से अधिक जनसंख्या की जान माल 1976 से बुरी तरह प्रभावित है। अभी तक सरकार की ओर से कोई ठोस एवं प्रभावकारी कार्यवाही उन ग्रामीण जनता की जान एवं माल की सुरक्षा के लिए नहीं की गई है। यदि अगले मानसून के पहले शीघ्र कार्यवाही नही की गई तो हजारों लोगों की जान और सम्पत्ति के समाप्त होने की आशंका है। विशेष कर खुटहा बड़हिया की स्थिति इतनी भयंकर हो गई है कि यदि तत्काल कटाव को रोकने की कार्यवाही नही की गई तो लगभग दस हजार की आबादी जलमग्न हो जाएगी। गत वर्ष 1980 से ही इस समस्या की ओर मैंने बिहार सरकार एवं भारत सरकार का ध्यान आकृष्ट किया है। अत. मै पुनः भारत सरकार से अनुरोध करती हूं कि वह शीघ्र ही हस्तक्षेप करे ताकि हजारों ग्रामीण जनता की जान माल खो जाने की आशंका से त्राण मिल सके।

12.35 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS (RAILWAYS), 1981-82; SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (RAILWAYS) 1980-81; DEMANDS OF EXCESS GARMENTS (RAILWAYS), 1977-78, DEMANDS FOR EXCESS GRANTS (RAILWAYS), 1978-79 AND RESOLUTION RE: FIRST REPORT OF RAILWAY CONVENTION COMMITTEE—*Contd.*

MR. CHAIRMAN: The House will now take up further discussion and voting on the Demands for Grants in respect of the Budget (Railways) for 1981-82, Supplementary Demands for Grants (Railways) (1980-81), Demands for Excess Grants (Railways) for 1977-78 and the Demands for Excess Grants in respect of the Budget (Railways) for 1978-79 and also the following Resolution moved by Shri Kedar Pandey on the 16th March, 1981; namely: